

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 13 मई, 2021

सधु दर्शन महोत्सव

केंद्रशासित क्षेत्र लद्दाख में 19 जून, 2021 से 'सधु दर्शन महोत्सव' का आयोजन किया जाना है। लेह शहर से लगभग 8 किलोमीटर दूर 'शेह मनाला' में सधु नदी के तट पर आयोजित होने वाले 'सधु दर्शन महोत्सव' में प्रतिवर्ष देश भर से सैकड़ों पर्यटक शामिल होते हैं। इस समारोह के दौरान भारत भर के कलाकारों द्वारा संगीत कार्यक्रमों, नृत्य प्रदर्शन और कला प्रदर्शनों आदि का आयोजन किया जाता है। साथ ही यह महोत्सव आम जनमानस को सधु नदी के बारे में जागरूक करता है और देश की सांप्रदायिक एकता के प्रतीक के रूप में इसके महत्त्व को बढ़ावा देता है। ज्ञात हो कि सधु नदी को भारतीय उपमहाद्वीप की सबसे महत्त्वपूर्ण जल प्रणालियों में से एक है। इसे विश्व की सबसे लंबी नदियों में से एक माना जाता है और इसके कुल बहाव क्षेत्र का अधिकांश हिस्सा भारत और पाकिस्तान में है। सधु नदी तंत्र में मुख्यतः 6 नदियाँ- सधु, झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास और सतलज शामिल हैं। सधु नदी का अपनी सहायक नदियों- चिनाब, झेलम, सतलज, रावी और ब्यास के साथ संगम पाकिस्तान में होता है। भारत और पाकिस्तान में नदी किनारे रहने वाले अधिकांश लोग अपनी बुनियादी आवश्यकताओं और सचिई आदिके लिये इसी नदी तंत्र पर निर्भर हैं।

स्पेस स्टेशन में पहला नज्जी मशिन

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा और नज्जी अंतरिक्ष कंपनी 'एक्सओम स्पेस' (Axiom Space) ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (ISS) में पहले नज्जी अंतरिक्ष यात्री मशिन हेतु समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं। इस मशिन के वर्ष 2022 तक पूरा होने की उम्मीद है। 'एक्सओम मशिन' 1 (Ax-1) के रूप में नामित इस अंतरिक्ष उड़ान को नासा के फ्लोरिडा स्थित कौनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया जाएगा। मशिन में शामिल अंतरिक्ष यात्री को अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (ISS) में कुल आठ दिन बिताने का अवसर मिलेगा। वदिति हो कि नासा ने लो-अर्थ ऑर्बिट में एक मजबूत और प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था विकसित करने संबंधी अपनी योजना के हिस्से के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन को नज्जी अंतरिक्ष यात्री मशिन सहित वाणिज्यिक गतिविधियों के लिये खोल दिया है।

बच्चों में कोवैक्सीन का परीक्षण

ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (DCGI) ने भारत बायोटेक को बच्चों में कोवैक्सीन (Covaxin) का परीक्षण करने हेतु मंजूरी दे दी है। 'कोवैक्सीन' कोरोना वायरस के वरिद्ध भारत के सामूहिक टीकाकरण अभियान में इस्तेमाल होने वाले दो कोवडि-19 टीकों में से एक है, जसि भारत बायोटेक लिमिटेड द्वारा भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) के सहयोग से विकसित किया गया है। यह भारत की एकमात्र स्वदेशी कोरोना वैक्सीन है, जसि रोग पैदा करने वाले जीवित सूक्ष्मजीवों को नष्ट कर विकसित किया जाता है। वर्तमान में कोवैक्सीन को 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में उपयोग के लिये अनुमोदित किया गया है। अब भारत बायोटेक द्वारा 2 वर्ष से 18 वर्ष की आयु के बीच 'कोवैक्सीन' के नैदानिक परीक्षण आयोजित किये जाएंगे। इस परीक्षण के दौरान इस आयु वर्ग में वैक्सीन से सुरक्षा, इसके प्रतिकूल प्रभावों और उसकी प्रतिरक्षा क्षमता संबंधी पहलुओं का अध्ययन किया जाएगा।

पद्मकुमार माधवन नायर

पद्मकुमार माधवन नायर को 'नेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड' (NARCL) के प्रमुख के तौर पर नियुक्त किया गया है। पद्मकुमार नायर वर्तमान में भारतीय स्टेट बैंक के स्ट्रेण्ड एसेट्स रजिऑल्यूशन ग्रुप के मुख्य महाप्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं। ज्ञात हो कि भारतीय बैंक संघ (IBA) वतित मंत्रालय और भारतीय रजिर्व बैंक के परामर्श से 'नेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड' के गठन की अगुवाई कर रहा है। 500 करोड़ रुपए और उससे अधिक की मूल बकाया राशिवाली दबावग्रस्त परसिंपत्तियों, जनिका समग्र मूल्य तकरीबन 1.50 लाख करोड़ रुपए हैं, नेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड को हस्तांतरित किये जाने की उम्मीद है।